मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 69, मुंबई, सोमवार, 26 अप्रैल, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र की उद्धव सरकार का बड़ा ऐलान

महाराष्ट्र में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए निशुल्क होगा

टीकाकरण

'केंद्र 45 वर्ष से कम आयु के लोगों के लिए टीकाकरण प्रदान नहीं करेगा और यह राज्यों द्वारा किया जाएगा'

संवाददाता

मुंबई। देश में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है और सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में सामने आ रहे हैं। संकट की इस घड़ी में राज्य की उद्धव ठाकरे सरकार ने बड़ा फैसला किया। राज्य सरकार ने ऐलान किया कि महाराष्ट्र के हर नागरिक को कोरोना का टीका मुफ्त लगाया जाएगा और उस पर आने वाला खर्च सरकार खुद उठाएगी। यह जानकारी महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने दी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

यह है महाराष्ट्र सरकार का प्लान

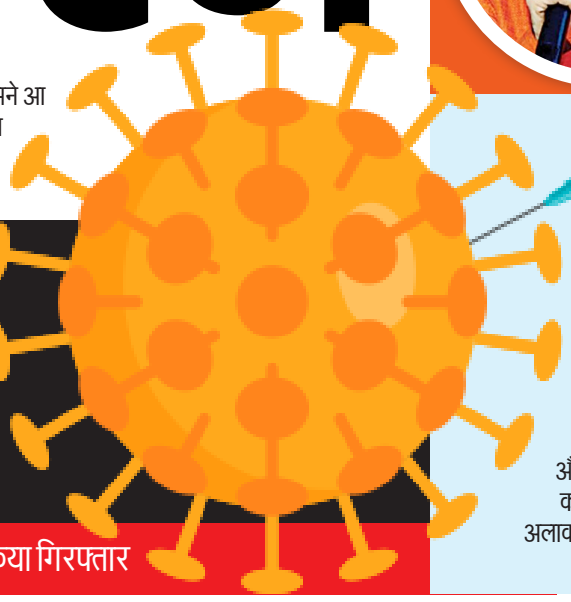

जानकारी के मुताबिक, नवाब मलिक ने बताया कि इस मसले पर कैबिनेट में चर्चा हो चुकी है। बैठक में फैसला लिया गया कि 18 से 45 साल के लोगों को मुफ्त वैक्सीन लगाई जाएगी। हम ग्लोबल टेंडर्स को आमंत्रित करेंगे और न्यूनतम दाम पर उचित वैक्सीन लेंगे। हम 14 से 15 करोड़ वैक्सीन खरीदेंगे, जिसे महाराष्ट्र के लोगों को मुफ्त देंगे। हम महाराष्ट्र में व्यापक टीकाकरण अभियान चलाएंगे, जिससे राज्य कोरोना से मुक्त हो सके।

पुलिस ने विरार के अस्पताल से 2 लोगों को किया गिरफ्तार

रोज होगा 2 टन ऑक्सीजन का प्रोडक्शन

महाराष्ट्र में बढ़ती ऑक्सीजन डिमांड को देखते हुए जल्द ही मुंबई में 14 ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाएंगे। ये प्लांट वातावरण में मौजूद ऑक्सीजन को मेडिकल यूज में बदलेंगे। महाराष्ट्र के मंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि प्लांट्स से 960 लीटर प्रतिमिनट और रोजाना 2 टन ऑक्सीजन बनेगी। इनमें से 2-2 प्लांट कल्याण, डोंबिवली और नवी मुंबई में लगाए जाएंगे। इसके अलावा 1-1 प्लांट भिवंडी, उल्लालनगर, अंबरनाथ, बादलपुर, भयंदर, वासी, विरार और पनवेल में लगाया जाएगा।

बंगाल में कोरोना की डरावनी रफ्तार

कोलकाता में टेस्टिंग कराने वाला हर दूसरा व्यक्ति पॉजिटिव, राज्य में महीनेभर में संक्रमण की रफ्तार 5 गुना बढ़ी

कोलकाता। चुनावी राज्य बंगाल में कोरोना कहर ढा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आरटी-पीसीआर टेस्ट कराने वाला हर दूसरा व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव मिल रहा है। वहीं, राज्य की बात करें, तो सैंपल देने वाले हर 4 में से एक व्यक्ति जांच के दौरान संक्रमित मिल रहा है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबईः अब गाड़ियों से आवाजाही के लिए ई-पास जरूरी

बंद हुई कलर स्टिकर कोड व्यवस्था

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना के मामलों की रोकथाम के लिए मिनी लॉकडाउन लागू है। इसके तहत राजधानी मुंबई में बेहद जरूरी कामों के दौरान वाहनों की आवाजाही प्रभावित न हो, इसके लिए पुलिस आयुक्त हेमंत नगराले ने एक हफ्ते पहले हरे, पीले और लाल रंग वाले कोड स्टिकर की व्यवस्था शुरू की थी। यह व्यवस्था जारी ही थी कि शुक्रवार को महाराष्ट्र पुलिस के डीजीपी संजय पांडेय ने वाहन चालकों की आवाजाही के लिए पुरानी ई-पास व्यवस्था शुरू कर दी। इसके तहत वाहन चालकों के पास कहीं आने-जाने के लिए ई-पास होना जरूरी है।

इसलिए बंद की स्टिकर व्यवस्था

स्टिकर और ई-पास दोनों व्यवस्थाओं के एक साथ लागू होने से कुछ लोगों ने प्रशासनिक आदेश के प्रति नाराजगी जताई थी। उनका कहना था कि मुंबई के लिए अलग-अलग रंगों के कोड वाली स्टिकर व्यवस्था और राज्य स्तर पर आवाजाही के लिए ई-पास की व्यवस्था होने से लोगों के बीच भ्रम पैदा हो रहा है। कलर स्टिकर से पुलिसकर्मियों को भी वाहनों की जांच में मुश्किल हो रही थी। इसको देखते हुए मुंबई पुलिस द्वारा कलर स्टिकर व्यवस्था रद्द कर दी गई है और शनिवार से ई-पास व्यवस्था लागू कर दी गई। नए नियम के मुताबिक, अब वाहनों को राज्य और जिला से बाहर आवाजाही के लिए ई-पास होना जरूरी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

मरहम का वक्त

ऑक्सीजन का अभाव न केवल दुखद, बल्कि पूरे देश के लिए एक अवसर भी है। यह सबक है कि हम अपनी स्वास्थ्य व्यवस्था को इस तरह दुरुस्त करने में लग जाएं कि फिर कभी ऐसी महामारी आए भी, तो हमें परेशान न करे। अकेले दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में अगर 24 घंटे में 25 मरीजों की मौत हुई है, तो देश के दूसरे अस्पतालों में क्या हो रहा होगा, इसका अंदाजा हम सहज ही लगा सकते हैं। यदि बहुत बीमार मरीजों की मौत हुई है, तो भी यह हमारे लिए बड़े दुख की बात है, लेकिन अगर ये मौतें ऑक्सीजन से जुड़ी किसी कमी के कारण हुई हैं, तो हमारी व्यवस्था के लिए शर्मनाक है। निजी अस्पतालों को सुविधाओं और संसाधनों के लिए जाना जाता है, ऐसे ही अस्पतालों में गंगाराम अस्पताल भी शामिल है। ऐसे अस्पतालों से यह भी उम्मीद की जाती है कि वे सार्वजनिक अस्पतालों के सामने एक आदर्श पेश करेंगे। सार्वजनिक अस्पतालों पर जो दबाव बना हुआ है, वह कोई नया नहीं है, लेकिन जब निजी अस्पताल भी हांफने लगे हैं, तब यह पूरे देश के लिए चिंता की बात है। विगत दशकों में जिस तरह से निजी अस्पतालों को फलने-फूलने दिया गया है और जिस तरह से निजी अस्पतालों का आकार-प्रकार व संख्या बढ़ी है, उसी हिसाब से उनसे उम्मीदें भी हैं। दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी से आपात स्थिति है, तो प्रधानमंत्री के साथ बैठक में भी इस पर तकरार आश्चर्य की बात नहीं है। नेताओं के बीच तकरार बढ़ना तय है, क्योंकि दोषारोपण की प्रवृत्ति पुरानी है, लेकिन अब जब नेताओं के बीच संघर्ष हो, तो आम लोगों को सचेत रहना चाहिए और याद रखना चाहिए कि जब जरूरत थी, तब राजनीतिक दल कैसा व्यवहार कर रहे थे? यह समय पार्टियों के झंडे लहराने का नहीं है, अब बात देश के झंडे पर आ गई है। भारत कोरोना ही नहीं, अभावों का भी एक बड़ा केंद्र नजर आ रहा है। अभी महीने भर पहले ही हम दवाओं और टीके का अंतरराष्ट्रीय वितरण कर वाहवाही बटोर रहे थे। अब समय आ गया है कि हम अपनी मांग पहले पूरी करें। दुनिया इस बात को समझती है कि भारत एक बड़ी आबादी वाला देश है और यहां चिकित्सा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखना उतना आसान नहीं है। हमने देखा है, जब अमेरिका या यूरोपीय देशों में कोरोना की लहर चरम पर थी, तब वहां भी चिकित्सा सेवाओं का ऐसा ही हाल था। पर उन देशों ने युद्ध स्तर पर इंतजाम किए। एक दवा कम पड़ी थी, तो डोनाल्ड ट्रंप भारत पर लगभग भड़क उठे थे। आज ट्रंप की उस नाराजगी को समझा जा सकता है। सोचिए, राष्ट्रीय राजधानी जब ऑक्सीजन मांग रही है, तब देश के बाकी इलाकों में क्या स्थिति होगी? राज्य सरकारों को भी स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी भूमिका को अच्छे से समझने की जरूरत है। राज्यों में विशेष रूप से बुनियादी सुविधाओं के लिए केंद्र सरकार से जरूरी संसाधन व धन मांगने की प्रवृत्ति होनी चाहिए। कोरोना हमें रुला-रुलाकर जो सिखा रहा है, वह हमें भूलना नहीं चाहिए। विफलता को मानने और गलतियां सुधारने की योग्यता-क्षमता होनी चाहिए। ऐसे मुश्किल समय में किसे राजनीति सूझ रही है, जरूर दर्ज होना चाहिए। गंगाराम या नासिक के हादसे तो चंद उदाहरण हैं कि सरकारें संभाल नहीं पा रही हैं। यह लोगों के दुख-दर्द पर मरहम लगाने का वक्त है, जो सरकारें इस काम को अंजाम देंगी, देश उन्हें हमेशा याद रखेगा।

दोमुंहे अमेरिका से सावधान रहे भारत!

हाल में हुए एक घटनाक्रम ने अमेरिका के वास्तविक चेहरे को पुनः रेखांकित कर दिया। पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह भारत-अमेरिका के बीच संबंध प्रगाढ़ हो रहे है, उसमें 7 अप्रैल की एक घटना ने न केवल दोनों देशों के राजनयिक संबंधों में अड़ंगा डालने का काम किया है, अपितु अमेरिका ने भारत और चीन को एक लाठी से हांकने का प्रयास भी किया है। आखिर 7 अप्रैल को क्या हुआ था? उस दिन अमेरिकी नौसैनिक जहाज जॉन पॉल जोन्स (डीडीजी 53), जो विध्वंसक मिसाइलों से लैस था- उसने लक्षद्वीप समूह के समीप 130 समुद्री मील पश्चिम में भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में न केवल बिना अनुमति प्रवेश करने का साहस किया, अपितु सार्वजनिक रूप से अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े ने अपनी वेबसाइट पर हेकड़ी दिखाते हुए इस अभियान की जानकारी दी। उसने कहा कि हमनें अपने शत्रुओं और मित्रों द्वारा समुद्र पर किए गए दावों चुनौती दी है।

अपने बयान में अमेरिकी नौसेना ने इस कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप बताते हुए कहा, 'फ्रीडम ऑफ नैविगेशन ऑपरेशन के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कानून के अंतर्गत अधिकारों, स्वतंत्रता और समुद्र के वैधानिक उपयोग को बरकरार रखा गया है और भारत के अत्यधिक समुद्री दावों को चुनौती दी गई है। जहां भी अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार अनुमति होगी, वहां अमेरिका उड़ान भरेगा, जहाज लेकर जाएगा और कार्रवाई करेगा।' अमेरिका का दावा है कि अंतरराष्ट्रीय कानून उसे ऐसा करने का अधिकार देता है, किंतु भारत ने इससे इंकार किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, भारत की स्थिति यह है कि संयुक्त राष्ट्र की समुद्री कानून संधि अन्य राज्यों को विशेष आर्थिक क्षेत्र में और महाद्वीपीय शेल्फ में सैन्य अभ्यास या युद्धाभ्यास करने के लिए अधिकृत नहीं करता है, विशेषकर वो अभ्यास, जिनमें तटीय राज्य की सहमति के बिना हथियारों या विस्फोटकों का प्रयोग होता है। हमनें अमेरिकी सरकार को राजनयिक चैनलों के माध्यम से अपनी चिंताओं से अवगत कराया है। वैश्विक राजनीति में साम्यवादी चीन का अधिनायकवाद और

हिंद-प्रशांत क्षेत्र (दक्षिण चीन सागर सहित) में उसकी दादागिरी, जिसमें वह अन्य क्षेत्रीय देशों के समान हितों का विरोध करता है- उसे चुनौती देने के लिए अमेरिका इस प्रकार की पैंतरेबाजी करता आया है। किंतु भारत के विरुद्ध उसका ऐसा व्यवहार विश्व में उन देशों को गलत संदेश दे रहा है, जिन्हें अमेरिका अपना 'मित्र' बताते थकता नहीं। वर्ष 2017 से अमेरिका- चीन के खिलाफ लामबंदी करने के लिए भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के रूप क्वाड सहयोगियों के साथ अन्य छोटे देशों के संपर्क में है। किंतु भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में जबरन घुसना और इसपर खुलकर इसकी जानकारी देना- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीति को दुष्प्रभावित करेगा। जहां कुटिल चीन का राजनीतिक अधिष्ठान हिंसक, असहिष्णु और मानवाधिकार विरोधी वामपंथी विचारधारा व अर्थव्यवस्था रुग्ण पूंजीवादी व्यवस्था का प्रतीक है, वही भारत विश्व में बहुलतावाद और लोकतंत्र के प्रतिबिंब के रूप में अनादिकाल से विद्यमान है। ऐसे अमेरिका द्वारा भारत और चीन को एक ही तराजू तौलने का क्या अर्थ है? वास्तव में, इसका उत्तर भारत में मोदी सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' जैसे आर्थिक अभियानों पर अमेरिकी प्रशासन की चिंता में मिल सकता है। अमेरिका लगातार वर्तमान भारत के साथ व्यापार समझौते को बेहतर बनाने की बात कर रहा है, क्योंकि स्थानीय लोगों के हितों को बल देने वाली मोदी सरकार की योजनाओं से अमेरिकी सरकार और कंपनियों के हाथ पांव फूलने लगे हैं। विगत माह बाइडेन प्रशासन ने अमेरिकी संसद में कहा था कि भारत द्वारा जारी 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में खड़ी होने वाली चुनौतियों का प्रतीक बन गए है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने अपनी 2021 की व्यापार नीति एजेंडा और 2020 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा, भारत सरकार ने आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाया है। किंतु साथ 'मेक इन इंडिया' जैसे कार्यक्रमों को भी शुरू किया है, जो आयात के स्थान पर घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है, 'मई 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता को कम करने के लिए देश को आत्मनिर्भर बनाने की घोषणा की थी, जिसने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों के समक्ष चुनौतियों को बढ़ा दिया है।' अमेरिकी बौखलाहट को इसी से सहज समझा जा सकता है। ऐसा नहीं कि राष्ट्रपति जो बाइडेन के सत्ता में आते ही अमेरिका, भारत को हेकड़ी दिखा रहा है। इससे पहले ट्रंप शासनकाल में अमेरिका 5 जून 2019 से अपने व्यापारिक वरीयता कार्यक्रम (जीएसपी) से भारत की पात्रता को समाप्त कर चुका था। तब मोदी सरकार ने घुटना प्रत्यारोपण और स्टेंट जैसे चिकित्सा उपकरणों को 'जरूरी दवाओं' में शामिल करके उनकी कीमतों को नियंत्रित कर दिया था। मोदी सरकार की यह जनहितैषी नीति अमेरिकी कंपनियों के लिए किसी झटके से कम नहीं थी, क्योंकि मूल्य नियंत्रण से पहले 138 करोड़ की आबादी वाले भारत जैसे विशाल बाजार में अमेरिका सहित कई पश्चिमी देशों के घुटना प्रत्यारोपण और स्टेंट निमार्ता कंपनियां चांदी काट रही थी। पिछले कुछ वर्षों से सामरिक हथियार, दवाओं से लेकर खिलौने, चिकित्सा आदि से जुड़े वस्तुएं, जो कलतक भारत अन्य देशों से आयात करता था- अब देश में उसका उत्पादन होने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। मैं अपने पिछले आलेखों में चर्चा कर चुका हूं कि चीन से अमेरिका का टकराव भारत से उसके मैत्रिपूर्ण संबंधों के कारण नहीं, अपितु विशुद्ध व्यापारिक हित और विश्व में अपना प्रभुत्व बरकरार रखने से संबंधित है। वैसे भी अमेरिका का विरोधीभासी और स्वार्थपूर्ण दृष्टिकोण कोई नया नहीं है।

कोरोना पर काबू कठिन नहीं

पिछले दो-तीन दिनों में कोरोना ने ऐसा जुल्म ढाया है कि पूरा देश कांप उठा है। जो लोग मोदी-सरकार के अंधभक्त थे, वे भी डर और कटुता से भरने लगे है। सवा तीन लाख लोगों का कोरोना ग्रस्त होना, हजारों लोगों का मरना, ऑक्सीजन का अकाल पड़ना, दवाइयों और ऑक्सीजन सिलेंडरों की दस गुनी कीमत पर कालाबाजारी होना, राज्य-सरकारों की आपसी खींचातानी और नेताओं के आरोपों-प्रत्यारोपों ने केंद्र सरकार को कंपा दिया था। लेकिन इस सबका फायदा यह हुआ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल के लालच को छोड़कर कोरोना पर अपना ध्यान जमाया है। अब रातोंरात अस्पतालों को ऑक्सीजन के बंबे पहुंच रहे हैं, हजारों बिस्तर वाले तात्कालिक अस्पताल शहरों में खुल रहे हैं, कालाबाजारियों की गिरफ्तारी बढ़ गई है और 80 करोड़ गरीब लोगों के लिए प्रति माह 5 किलो अनाज मुफ्त बटने लगा है। आशा है कि एक-दो दिन में ही कोरोना के टीके की कीमत को लेकर शुरू हुई लूटमार पर भी सरकार रोक लगा देगी। कोरोना के टीके और अन्य दवाइयों के लिए जो कच्चा माल हम अमेरिका से आयात कर रहे थे, उसे देने में अमेरिका अभी आनाकानी कर रहा है लेकिन ब्रिटेन और फ्रांसझ्र जैसे देशों ने आगे बढ़कर मदद करने की घोषणा की है। जर्मनी ने ऑक्सीजन की चलायमान मशीनें भेजने की घोषणा कर दी है। सबसे ज्यादा ध्यान देने लायक तथ्य यह है कि चीन और पाकिस्तान ने भी भारतीय जनता को इस आफतकाल से बचाने का इरादा जाहिर किया है। पाकिस्तान की कई समाजसेवी संस्थाओं ने कहा है कि संकट के इस समय में आपसी रंजिशों को दरकिनार किया जाए और एक-दूसरे की मदद के लिए आगे बढ़ा जाए। सबसे अच्छी बात तो यह हुई है कि सिखों के कई गुरुद्वारों में मुफ्त ऑक्सीजन देने का इंतजाम हो गया है। हजारों बेरोजगार लोगों को वे मुफ्त भोजन भी करवा रहे हैं। कई मस्जिदें भी इसी काम में जुट गई हैं। ये सब किसी जाति, मजहब या भाषा का भेदभाव नहीं कर रहे हैं। यही काम हिंदुओं के मंदिर, आर्यसमाज और रामकृष्ण मिशन के लोग भी करें तो कोरोना का युद्ध जीतना हमारे लिए बहुत आसान हो जाएगा। इन संगठनों को उन व्यक्तियों से प्रेरणा लेनी चाहिए, जो व्यक्तिगत स्तर पर अप्रतिम उदारता और साहस का परिचय दे रहे हैं। मुंबई के शाहनवाज शेख नामक युवक अपनी 22 लाख रु. कार बेचकर उस पैसे से जरुरतमंद रोगियों को ऑक्सीजन के बंबे उपलब्ध करा रहे हैं। जोधपुर के निर्मल गहलोत ने श्वास-बैंक बना दिया है, जो ऑक्सीजन के बंबे उनके घर पहुंचाएगा, नाममात्र के शुल्क पर! एक किसान ने अपना तीन मंजिले घर को ही कोरोना अस्पताल बना दिया हैं। गुड़गांव के पार्षद महेश दायमा ने अपने बड़े कार्यालय को ही मुफ्त टीकाकरण का केंद्र बना दिया है। यदि हमारे सभी राजनीतिक दलों के लगभग 15 करोड़ कार्यकर्ता इस दिशा में सक्रिय हो जाएं तो कोरोना की विभीषिका को काबू करना कठिन नहीं होगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

निलंबित पुलिस अधिकारी पर एनआईए का खुलासा

बुकी के सिम से नाम बदलकर किया था मनसुख हिरेन को फोन

मुंबई। मुंबई के मनसुख हिरेन मर्डर केस में एनआईए ने मुंबई पुलिस के सीनियर इंस्पेक्टर सुनील माने को शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। शनिवार को उन्हें निलंबित कर दिया गया। पिछले एक महीने में माने तीसरे पुलिस अधिकारी हैं, जिन्हें निलंबित किया गया है। इससे पहले एपीआई रियाज काजी और एपीआई सचिन वझे को भी सस्पेंड करने का आदेश निकाला गया था। वझे को तो पुलिस सेवा से बर्खास्त करने की भी मुंबई पुलिस ने प्रक्रिया शुरू

कर दी है। गिरफ्तारी के बाद एनआईए ने कोर्ट में शुक्रवार को बताया था कि सुनील माने ने हिरेन मनसुख के मर्डर की साजिश में शामिल होने की बात जांच टीम के सामने स्वीकार कर ली है। इस केस में एनआईए ने सिपाही विनायक शिंदे और बुकी नरेश गौड़ को भी अरेस्ट किया है। मनसुख मर्डर केस की जांच में पता चला कि नरेश गौड़ ने विनायक शिंदे के जरिए पांच सिम कार्ड सचिन वझे को भिजवाए थे। उनमें से एक सिम कार्ड सुनील माने ने भी यूज किया था।

मनसुख को नाम बदलकर किया कॉल!

हिरेन मनसुख का 4 मार्च को मर्डर किया गया था। उस दिन रात करीब सवा आठ बजे मनसुख के पास कांदिवली क्राइम ब्रांच से तावडे नामक शख्स का फोन आया था। सुनील माने तब कांदिवली क्राइम ब्रांच के सीनियर इंस्पेक्टर थे। एनआईए को शक है कि तावडे नाम से यह कॉल सुनील माने ने किया था। कॉल करने के बाद सुनील माने ने यह सिम कार्ड इस केस में एक और सस्पेक्ट को दे दिया था। हिरेन मनसुख के मर्डर के लिए 2 और 3 मार्च को दो मीटिंग हुई थीं। आरोप है कि सुनील माने इन दोनों मीटिंग में मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार, 4 मार्च को जिस दिन हिरेन मनसुख को तावडे के नाम से कॉल किया गया, उस दिन ठाणे में दो अलग-अलग कारों में कुल 6 लोग मनसुख के आने का इंतजार कर रहे थे। इनमें से एक कार में सुनील माने भी थे।

बीएमसी को कोविशील्ड टीकों की 1.5 लाख खुराकें मिलीं, ऑक्सीजन आपूर्ति सामान्य : निगम आयुक्त

मुंबई। बृह्नमुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने रविवार को कहा कि उसे कोविशील्ड टीकों की 1.5 लाख खुराकें मिली हैं और 26 अप्रैल को शहर के सभी टीकाकरण केन्द्रों का संचालन शुरू हो जाएगा। इस महीने की शुरूआत में बीकेसी औद्योगिक जिले में स्थित विशाल कोविड-19 केन्द्र समेत मुंबई के 120 में से 75 केन्द्रों में खुराकों की कमी के कारण टीकाकरण रोक दिया गया था। निगम आयुक्त आईएस चहल ने कहा, हमें आज कोविशील्ड टीकों की 1.5 लाख खुराकों का स्टॉक मिला है। मुंबई में सभी टीकाकरण केन्द्रों का संचालन कल से शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि टीकों का स्टॉक 'बेहद सीमित' होने की वजह से केवल चुनिंदा केन्द्रों पर ही कोवैक्सीन की दूसरी खुराक उपलब्ध होगी। चहल ने कहा कि नगर निगम में ऑक्सीजन की आपूर्ति से संबंधित सभी मुद्दों को सुलझा लिया गया है। उन्होंने कहा, 'ऑक्सीजन आपूर्ति की स्थिति सामान्य है।'

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्र की उद्धव सरकार का बड़ा ऐलान

उद्धव ठाकरे सरकार में कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने कहा राज्य में 18 से 45 साल के लोगों को कोरोना की टीका बिल्कुल मुफ्त लगाया जाएगा। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह वैक्सीनेशन अभियान कैसे शुरू करती है। उन्होंने कहा कि सरकार अपने नागरिकों के प्रति पूरी तरह जिम्मेदार है। साथ ही, कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर भी बेहद गंभीर है। नवाब मलिक ने कहा कि देश में दो वैक्सीन हैं। कोविडशील्ड वैक्सीन केंद्र सरकार को 150 रुपये में मिलेगी, जबकि राज्यों को इसके लिए 400 रुपये चुकाने होंगे। वहीं, कोवैक्सीन भी केंद्र सरकार को 150 रुपये में दी जा रही है और राज्यों के लिए इसके दाम 600 रुपये तय किए गए हैं। निजी संस्थानों को दोनों वैक्सीन क्रमशः 600 और 1200 रुपये में मिलेंगी। उन्होंने कहा कि वैक्सीन के दाम एक जैसे होने चाहिए। बता दें कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बीते 24 घंटे में कोरोना के 3,49,691 नए मामले सामने आए हैं और 2,767 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। हालांकि, बीते 24 घंटे में 2,17,113 लोग ठीक भी हुए हैं। फिलहाल, सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र से सामने आए हैं, जिसके बाद उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, केरल और दिल्ली का नंबर आता है। इन पांच राज्यों में नए केसों के कुल 53 फीसदी मामले हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल में 20 कोरोना मरीज शनिवार को कोविड केयर सेंटर से भाग गए। अधिकारियों बताया कि यवतमाल के घटनजी तालुका में एक हॉस्टल को अस्थाई कोविड सेंटर बनाया गया है। यहां से कोरोना मरीजों के भागने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। महाराष्ट्र के विरार में 23 अप्रैल को जिस अस्पताल में 15 कोरोना मरीजों की आगजनी के कारण मौत हुई थी, उस अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

बंगाल में कोरोना की डरावनी रफ्तार

पश्चिम बंगाल में आरटी-पीसीआर टेस्ट करने वाली एक बड़ी लैब के डॉक्टर के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि कोलकाता और इसके आसपास के इलाकों में पॉजिटिविटी रेट 45 से 55% तक पहुंच गया है। जबकि राज्य के दूसरे हिस्सों में यह 24% के करीब है। राज्य में 1 अप्रैल को 25,766 सैंपल की जांच के दौरान केवल 1274 सैंपल पॉजिटिव मिले थे तब पॉजिटिविटी रेट 4.9% था। शनिवार को 55,060 सैंपल जांचे गए जिनमें 14,281 पॉजिटिव मिले, संक्रमण की यह दर 25.9% है। सीधे शब्दों में कहें तो अप्रैल की शुरूआत में जांच कराने पहुंचने वाले 20 में से केवल एक व्यक्ति पॉजिटिव मिल रहा था। यानी तब प्रदेश में पॉजिटिविटी रेट 5% के करीब था। इस तरह, एक महीने से भी कम समय में संक्रमण की रफ्तार में 5 गुना बढ़ोतरी हो चुकी है। रिपोर्ट में डॉक्टरों के हवाले से यह भी कहा गया कि कोरोना संक्रमण के वास्तविक आंकड़े कहीं ज्यादा हो सकते हैं। कई मरीज बिना लक्षणों या कम लक्षणों वाले होते हैं। ये लोग कोरोना टेस्ट कराने नहीं पहुंच रहे हैं।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

अगर आप साइबर क्राइम का शिकार हुए हैं, तो क्या कानूनी करवाई की जा सकती है

उत्तरः पहले यह जानते हैं की साइबर क्राइम क्या होता. साइबर क्राइम इस शब्द आज के कंप्यूटर की दुनिए में बहुत सुनते है, पर हमे इसके बारे में सही जानकारी न होने के कारण इसके खिलाफ कोई कानूनी कारवाही नहीं करते। साइबर कानून के अनुसार, व्यक्ति जो गैरकानूनी रूप से एक कंप्यूटर सिस्टम तक पहुंच प्राप्त करता है जिसने पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया है उसे अपराध माना जाता है। साइबर अपराध शब्द का उपयोग ऑनलाइन अपराध करने वाले अपराध का वर्णन करने के लिए किया जाता है। साइबर अपराधी कंप्यूटर नेटवर्क या उपकरणों को लक्षित करके अपराध करते हैं। साइबर अपराध एक आपराधिक गतिविधि है जो कंप्यूटर, नेटवर्क डिवाइस या इंटरनेट का उपयोग करके प्रतिबद्ध है। साइबर अपराधों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले, वायरस के हमले, हैकिंग डेटा, ट्रोजन हॉर्स जैसे Malwares; दूसरा, अवैध सामग्री और अश्लील डेटा प्रकाशित करना जैसे कि अश्लील साहित्य और तीसराः वित्तीय अपराध जो दुर्भावना के साथ किए जाते हैं।

सभी साइबर अपराध पीड़ितों को 4 महत्वपूर्ण कदम उठा सकतेः

भारत में पंजीकृत साइबर अपराध के मामलों में 350% की वृद्धि हुई है। कच्चे फि शिंग ईमेल से लेकर परिष्कृत मैलवेयर हमलों तक, चोरी को निजी डेटा चोरी करने या आपके सिस्टम तक पहुंच को बाधित करने के लिए डिजाइन किया गया है। हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी, स्मार्टफोन के उपयोग में वृद्धि और इंटरनेट सुरक्षा के बारे में जागरूकता की कमी जैसे कारक अक्सर साइबर अपराधियों के शिकार होने वाले उपभोक्ताओं की भूमिका निभाते हैं। जबकि सुरक्षित और सुरक्षित होना उचित है, यह जानना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि जब आप साइबर अपराध का शिकार हो जाते हैं तो क्या करें। यहां कुछ ऐक्टिविटीज हैं जिन्हें आपको जोखिम को कम करने के लिए करना चाहिए।

1. डिस्कनेक्ट और डिटैच

आपके कंप्यूटर या आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर चल रहे हमले के मामले में, आपका पहला कदम इंटरनेट से डिवाइस को डिस्कनेक्ट करना चाहिए क्योंकि यह डेटा के आगे नुकसान को रोकने के लिए सबसे प्रभावी तरीका है। साइबर बदमाशी या साइबर स्टैकिंग के मामले में, किसी को कानूनी कार्रवाई शुरू करने से पहले बस स्क्रीन से दूर हट जाना चाहिए। एक सफल फि शिंग हमले की स्थिति में जहां आपको निजी और गोपनीय जानकारी का खुलासा करने में मदद मिलती है, आपको तुरंत इस तरह के कदम उठाने चाहिए:

अपने बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड फ्रीज करें

अपने इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग पासवर्ड को बदलें

2. कानूनी कार्रवाई करें

इस प्रक्रिया को अनदेखा और विलंब न करें, कानूनी कार्रवाई शुरू करें, भले ही आप साइबर अपराध के नकारात्मक परिणामों को कम करने की कोशिश कर रहे हों। साइबर अपराधियों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज करने के लिए अपने स्थानीय साइबर अपराध जांच सेल से संपर्क करें। इसके बारे में विस्तृत जानकारी दें:

अपराध की प्रकृति

नुकसान की अधिकता

प्रासंगिक दस्तावेज, डेटा, और अनुपालन के लिए प्रासंगिक अन्य जानकारी

यह मानने की गलती कभी न करें कि साइबर अपराधी पकड़े नहीं जा सकते। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत प्रावधान साइबर अपराध को दंडनीय अपराध के रूप में परिभाषित करते हैं। दिल्ली में अपराध के खिलाफ शिकायत मुंबई में भी दर्ज कराई जा सकती है। इसलिए, शिकायत दर्ज करने में देरी न करें क्योंकि जब आप शहर से बाहर थे तब साइबर अपराध हुआ था।

3. अपने संपर्कों को सूचित करें

साइबर अपराधियों द्वारा आपके सभी ऑनलाइन संपर्कों से जानकारी और डेटा चोरी करने के लिए आपकी आभासी पहचान की चोरी का दुरुपयोग किया जा सकता है। घटना के बारे में प्रचार करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करें। यह सरल कदम आपकी पहचान के जोखिम को कम करने के लिए आगे अपराधों का दुरुपयोग करेगा, और आपके मित्रों और रिश्तेदारों के बीच साइबर अपराध के बारे में बेहतर जागरूकता सुनिश्चित करेगा।

4. भविष्य के लिए निवारक कदम उठाएं

लाइसेंस प्राप्त एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर स्थापित करें, संयोजन अल्फा न्यूमेरिक वर्णों के साथ एक मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें और कभी भी अपने बैंकिंग विवरण का खुलासा न करें। जबकि साइबर चोरी एक चुनौती बनी हुई है और कोई भी इसके लिए प्रतिरक्षा नहीं है, हालांकि सही समय पर सही कार्रवाई निश्चित रूप से नुकसान को कम करने में मदद करेगी।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।

Dr. S.P. Ashok

B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

मुंबई के सामान्य इलाकों में बढ़ा ऐंटीबॉडी का प्रमाण

10 हजार लोगों पर सर्वे, हर्ड इम्युनिटी को समझने में मदद मिलेगी

मुंबई। दूसरे सीरो सर्वे में नॉन स्लम इलाके में 18 फीसद लोगों में ऐंटीबॉडी मिली थी, जबकि तीसरे सीरो सर्वे में यह प्रमाण बढ़कर 28.5 फीसदी तक पहुंच गया है। किसी व्यक्ति के शरीर में 'ऐंटीबॉडी' पाए जाने का मतलब है कि वह कभी ना कभी कोरोना वायरस की चपेट में आया है। मुंबई में 10,197 लोगों पर यह सर्वे किया गया था। झुग्गी-बस्ती इलाके में किए गए तीसरे सीरो सर्वे में दूसरे सीरो सर्वे की तुलना में 4 प्रतिशत

कम लोगों में ऐंटीबॉडी पाया गया। सर्वे में 36 फीसद मुंबईकरों में ऐंटीबॉडी पाई गई। बता दें कि कोरोना वायरस के प्रसार को लेकर ठोस जानकारी इकट्ठा करने के लिए सीरो सर्वे कराया जाता है। बीएमसी अभी तक तीन सीरो सर्वे करा चुकी है। पहला सीरो सर्वे जुलाई 2020 में, दूसरा अगस्त में और तीसरा इस वर्ष मार्च में किया गया। इस बार सीरो सर्वे बीएमसी के दवाखानों और प्राइवेट लैब में लिए गए नमूनों पर किया गया। इस बार सीरो सर्वे उन लोगों पर किया गया, जिन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगाया था। बीएमसी के मुताबिक नए तीसरे सीरो-सर्वे में 36 प्रतिशत लोगों में ऐंटीबॉडी पाया गया।

महिलाओं में अधिक ऐंटीबॉडी बनी

स्लम इलाके में जुलाई में किए गए पहले सीरो-सर्वे में 57 प्रतिशत और दूसरे सर्वे में 45 प्रतिशत लोगों में 'ऐंटीबॉडी' पाए गए थे, जबकि तीसरे सर्वे में स्लम में 41.6 फीसद लोगों में ऐंटीबॉडी पाया गया। इसी तरह नॉन स्लम इलाके में जुलाई में किए गए पहले सर्वे में 16 प्रतिशत, दूसरे में 18 फीसद और तीसरे सर्वे में 28.5 फीसद लोगों में ऐंटीबॉडी पाई गई है। इस बार भी पुरुष के मुकाबले महिलाओं में अधिक ऐंटीबॉडी बनी है। इस तीसरे सीरो सर्वे में 35.02 प्रतिशत पुरुषों में ऐंटीबॉडी बनी है, जबकि 37.12 फीसद महिलाओं में ऐंटीबॉडी बनी है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने बताया कि इस सर्वे से बीमारी के प्रति लोगों में विकसित हो रही हर्ड इम्युनिटी को भी समझने में मदद मिलेगी।

महाराष्ट्र को केंद्र से अप्रैल के अंत तक रेमडेसिविर की 4.35 लाख शीशी मिलेंगी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि राज्य को 21 से 30 अप्रैल की अवधि में केंद्र की तरफ से रेमडेसिविर की 4.35 लाख वायल (छोटी शीशी) प्राप्त होंगी। ठाकरे ने आपूर्ति में वृद्धि करने की राज्य की मांग को स्वीकार करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा, वर्तमान आपूर्ति 2.69 लाख वायल थी जिसे बढ़ाकर 4.35 लाख वायल किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से इस बाबत एक पत्र प्राप्त हुआ है।

राष्ट्रीय मानवधिकार संगठन के संस्थापक डॉ जितेंद्र रवि ने दिया भारतवाशी को संदेश

जागरूकता से हारेगा करोना

कोरोना संक्रमण के दौर में लोगों में काफी दहशत व्याप्त है मरीजों की संख्या बढ़ने से अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है अफवाहों का बाजार गर्म है लेकिन अगर हम जागरूक हो जाएं तब कोरोना कि से जंग जीता जा सकता है डॉ जितेंद्र रवि राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के संस्थापक ने कहा कोरोना का पराजित करने में महिलाओं का भी सक्रिय भागीदारी जरूरत है उन्होंने कहा कि महिलाओं अपने बच्चों को मास सैनिटाइजर के महत्व को बताएं घर के बड़े बड़े लोगों को भी घर से बाहर निकलने के समय उन्हें मास और 2 गज की दूरी बनाए रखने का ख्याल कराएं डॉ जितेंद्र रवि ने कहा कि कोई भी सामान छूने के बाद साबुन से हाथ को अच्छी तरह से धोये और सेनेटाइजर लगाने की आदत डाले बिना आवश्यक काम के घर से बाहर नहीं निकले भीड़भाड़ वाले जगहों पर जाने से परहेज करें वैबाहिक आयोजनों में अधिक भीड़ नहीं लगाने की कोरोना को मात दिया जा सकता है डॉ जितेंद्र ने कहा कि डॉक्टरों की सलाह और सरकार की गाइडलाइन का पालन करना जरूरी है इस महामारी से बचने के लिए सिर्फ सरकार नहीं अपने आप को भी जागरूक होने की आवश्यकता है।

बीएमसी अब घर-घर जाकर करेगी कोरोना मरीजों की जांच

10 ऐम्बुलेंस और 10 लोगों की टीम तैयार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई से कोरोना को खत्म करने के लिए बीएमसी ने कमर कस ली है। अब महानगरपालिका के कर्मचारी घर-घर कोरोना मरीजों की जांच करेंगे। वहीं शहर में कोरोना मरीजों के इलाज के लिए बेड की किल्लत को दूर करने के लिए भी बीएमसी ने रास्ता ढूंढ लिया है। अब कोरोना पॉजिटिव मरीजों के घर जाकर मेडिकल टीम जांच करेगी। उसके बाद तय

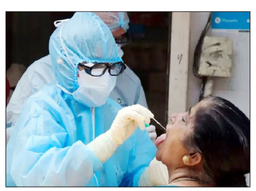

किया जाएगा कि मरीज को अस्पताल में एडमिट करने और बेड की आवश्यकता है या नहीं। यह काम वॉर्ड वॉर रूम और मेडिकल टीम के समन्वय से किया जाएगा। घर- घर जाकर जांच करने के लिए हर वॉर्ड में 10- 10 की टीम बनाई गयी है। इसके लिए हर वार्ड में 10- 10 एम्बुलेंस तैनात रहेंगी। यह नियम रविवार से लागू हो गया है। कमिश्नर आईएस चहल ने इस संबंध में शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की जिसमें बेड आवंटन के लिए यह नियम लागू करने का निर्णय लिया गया।

खत्म होगी बेड की किल्लत: चहल ने कहा कि इससे बेड का मरीजों को और बेहतर तरीके से आवंटन हो सकेगा। मुंबई में कोरोना मरीजों के लिए बेड का आवंटन बीएमसी के सभी वॉर्डों में बने वॉर रूम के जरिए हो रहा है। इसमें सामान्य बेड, ऑक्सिजन बेड और वेंटिलेटर बेड शामिल है। पिछले कुछ दिनों में मरीजों को बेड मिलने में मुश्किल हुई है। इसको देखते हुए बेड आवंटन की प्रणाली में यह बदलाव किया गया है। मेडिकल टीम सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक घर पर जाकर मरीजों की जांच करेगी। रात 11 बजे से सुबह 7 बजे तक किसी मरीज को यदि जांच की आवश्यकता होगी तो उसे जंबो केयर सेंटर लाया जाएगा। किसी कारण मेडिकल टीम द्वारा सुझाव देने के बाद भी मरीज को बेड नहीं उपलब्ध हो पाता है तो उसे प्रतीक्षा सूची में डाला जाएगा। कुछ घंटे में बेड खाली होने पर मरीज को बेड उपलब्ध करा दिया जाएगा।

मुंबई में लगेंगे हवा से ऑक्सिजन बनाने वाले प्लांट

मुंबई में बढ़ते कोरोना के संकट के बाद शुरू हुई ऑक्सिजन की किल्लत को खत्म करने के लिए बीएमसी ने अब नया कदम उठाया है। जिसके मुताबिक बीएमसी अब उनके अस्पतालों में हवा से ऑक्सिजन बनाने वाले प्लांट लगाएगी। फिलहाल 12 अस्पतालों में 16 प्लांट स्थापित करने की योजना है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने के एक महीने के भीतर इस प्रोजेक्ट को पूरा किया जाएगा। इन 16 प्लांट के जरिये प्रतिदिन 43 मीट्रिक टन ऑक्सिजन का उत्पादन किया जाएगा। बीएमसी से इस परियोजना के लिए तकरीबन 90 करोड़ रुपये खर्च करेगी। एक बार ऑक्सिजन प्लांट शुरू होने के बाद इसे अगले 15 सालों तक चलाया जा सकेगा। खास बात यह है कि एक जंबो सिलेंडर में आने वाली ऑक्सिजन की कीमत की तुलना में इसकी लागत आधी होगी।

मुंबई में लगातार घट रहे केस, मृत्यु दर 1% से कम

मुंबई। देशभर में कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या के बीच मुंबई से एक राहत भरी खबर सामने आई है। फरवरी के दूसरे सप्ताह से मुंबई में फैली कोरोना की दूसरी लहर अब नियंत्रण में आ रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि अगले 10 दिन में यहां कोरोना का ग्राफ तेजी से नीचे आएगा। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि अगर इसी तरह लोग कोरोना नियमों का पालन करते रहे, तो हालात जल्द ही बेहतर होंगे। मुंबई में मार्च की शुरूआती सप्ताह में रोज नए मामले 10 से 11 हजार के बीच मिल रहे थे, लेकिन पिछले सप्ताह से रोज 7 से 8 हजार के बीच केस आ रहे हैं। यहां रोज करीब 50 हजार लोगों का कोरोना टेस्ट हो रहा है। मुंबई का पॉजिटिविटी रेट 5 अप्रैल से घटता चला आ रहा है। यहां 1 अप्रैल को पॉजिटिविटी रेट 18.49 फीसद था, जो चार दिन में बढ़कर 26.20 फीसद तक पहुंच गया था। यह 22 अप्रैल को 15.60 फीसद रह गया।

महाराष्ट्र के यवतमाल में शराब की तलब लगने पर 8 मजदूरों ने सैनिटाइजर पिया, 7 की मौत

यवतमाल। विदर्भ के यवतमाल जिले में शराब की तलब मिटाने के लिए 8 लोगों ने सैनिटाइजर पी लिया। जिसके बाद उनकी तबियत बिगड़ गई और शनिवार दोपहर को इनमें से 7 ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों के नाम गणेश उत्तम शेलार (43), सुनील महादेव ढेंगले (36), दत्त कावडू लांजेवार (47), नूतन देवराव पाटनकर (35), संतोष मेहर (35), विजय बावने (35) हैं। सातवें मृतक की पहचान होना बाकी है। राज्य में लॉकडाउन की वजह से शराब की दुकानें बंद हैं। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात यवतमाल के वणी गांव में 8 ग्रामीणों ने एक साथ बैठकर सैनिटाइजर पिया था। रात में ही सभी की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद परिजन इन्हें जिला हॉस्पिटल लेकर गए, जहां 7 लोगों ने दम तोड़ दिया। एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है।

प्रशासन को बिना बताए 4 का अंतिम संस्कार: वानी पुलिस स्टेशन के अधिकारी वैभव जाधव ने कहा, 'मरने वाले सभी मजदूर थे। उन्हें शराब नहीं मिल रही थी, तो उन्होंने हैंड सैनिटाइजर पी लिया। 3 मृतकों का पोस्टमार्टम किया गया, जबकि बाकी 4 के परिजनों ने अधिकारियों को सूचित किए बिना अंतिम संस्कार कर दिया।' डीएम ने मामले के जांच के आदेश दिए हैं।

बुलढाणा हलचल

कोरोना लॉकडाउन में लोग दे रहे हैं जागरूकता का परिचय! बेवजह निकलने से कर रहे हैं परहेज

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। देश-प्रदेश के साथ शहर ग्रामिण में भी कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए कोरोना कयूं लगाया है और शहरवासी भी जागरूकता का परिचय देकर घरों में ही महफूज रहना बेहतर समझ रहे हैं और बेवजह घर से निकलने से भी परहेज कर रहे हैं। हालांकि कोरोना कप, और पुलिस - प्रशासन के सख्त पेहरे के बाद भी कुछ लोग सुबह के समय बाहर निकले थे , जिन्हें पुलिस ने फटकार लगाते हुए वापस लौटा दिया है। स्थिति यह रही कि बाजार और सड़कें सुनसान दिखाई दी। यहां तक कि मॉर्निंग वॉक के लिए भी लोग घरों से नहीं निकले । हालांकि दवा की दुकानें खुली रहीं, जबकि दूध की दुकानें भी तय समय-सीमा में

खुली और बंद भी हो गई थी। ज़िले में संक्रमण तेजी फैल रहा, आलम यह है के ज़िले मे रोजाना 1000 से 1200 से ज्यादा संक्रतिक मिल रहे है। इसवजह से लोग भी जागरुक नजर आने लगे है। वो सब्जियां को भी सेनेटाइज कर रहे हैं। यहां तक कि शहरवासियों के साथ जरूरी सेवाओं से जुड़े लोग बिना मास्क घर बाहर निकलना पसंद नहीं कर रहे है, ऐसा कर वह खुद को सुरक्षित रखने के साथ शहर में संक्रमण की चैन तोड़ने में मदद कर रहे हैं। कोरोना की चैन को तोड़ने के लिए कोगेना कफ्यूं का पालन शहरवासी भी बखूबी कर रहे है और बेवजह से घर से बाहर निकालने बच रहे है। हर गली-मोहल्ले में दिनभर चलता रहा गश्ती दौरा पुलिस प्रशासन सुबह से ही हाई अलर्ट मोड में काम करते हुए नजर आया। वे शहर के हर तिराहे-चौराहे पर बैरिकेट्स लगाकर तैनात रहा है। साथ ही हर आने-जाने वाले को रोककर पूछताछ की। बेवजह घूमने वालों पर कार्रवाई भी की। इसके साथ ही पुलिस की टीमें शहर के हर गली-मोहल्ले में सुबह से गश्ती दौरा करते नजर आए। पुलिस वैन से शहर भर में समझाइश भी दी जा रही है।

शिवसाई कॉव्हिड केअर में आ. श्वेताताई महाले प्रयासों से 40 ऑक्सीजन सिलेंडर मिले

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। बुलढाणा में नए शुरू किए गए शिवसाई कोविद केंद्र में श्रीमती श्वेताताई महाले के प्रयासों से 40 ऑक्सीजन सिलेंडर प्राप्त हुए जिस से शिवसाई कोविद केंद्र के प्रबंधन ने राहत की सांस ली। वहां भर्ती किए गए कोरना संक्रमित रोगियों ने ऑक्सीजन कि सांस सांस ली है। 40 ऑक्सीजन सिलेंडरों की खेप के बाद 24 अप्रैल 2021 को सुबह शिवशाही कोविद केंद्र के सर्वेसर्वा डी. एस लाहेन सर ने श्रीमती श्वेताताई महाले को धन्यवाद दिया। ऑक्सीजन सिलेंडर की खेप के पहुंचने पर उन्होंने शिवसई कोविड केयर सेंटर में भाजपा पदाधिकारियों का स्वागत कया गया। इस समय, भारतीय जनता पार्टी के तालुका अध्यक्ष, एडवा. सुनील देशमुख, युवा मोर्चा के विनायक भाग्यवंत, पार्षद मंदार बाहेकर, चंद्रकांत काटकर, दीपक शेलके, सैय्यद आसिफ,

अन्य उपस्थित थे। विधायक महाले की पहल से, बुलडाना जिले के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर दूसरे जिलों में ऑक्सीजन संयंत्रों से खरीदे गए हैं, जब जिले में ऑक्सीजन की कमी है। पिछले एक सप्ताह से चिखली और बुलदाना में निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है। प्रो डीएस लहाणे सर ने कोविद महामारी के दौरान नागरिकों को राहत देने के लिए एक सेवा के रूप में बुलडाणा शहर में अजंता रोड पर शिवशाही कॉन्वेंट के भवन में कोविड केयर सेंटर की शुरूआत की है। लेकिन राज्य भर में कोरोना के कहर ने ऑक्सीजन की भारी कमी पैदा कर दी है। कुछ दिन पहले, विधायक श्वेताताई महाले ने प्रति जिले में ऑक्सीजन संयंत्र प्रबंधन से बात की थी और चिखली और बुलदाना में एक निजी अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए अनुरोध किया था। इसी तरह, कुछ जिलों में ऑक्सीजन संयंत्रों ने ऑक्सीजन प्रदान करने में तत्परता दिखाई है। इसी तरह, कुछ जिलों में ऑक्सीजन संयंत्रों ने ऑक्सीजन प्रदान करने में तत्परता दिखाई है। जब प्रो. डीएस लहाणे को इस मामले के बारे में पता चला, तो उन्होंने श्रीमती श्वेताताई महाले पाटिल से अपने शिवसाई कोविड केंद्र को ऑक्सीजन प्रदान करने का अनुरोध किया। उनके प्रयासों के कारण, पिछले पांच दिनों में चिखली शहर में 120 और बुलडाणा शहर में 90 ऑक्सीजन सिलेंडर प्राप्त हुए हैं।

रामपुर हलचल

कोरोना से बचाव को देखते हुए मास्क आदि का जमकर प्रयोग करना शुरू कर दिया है

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। कोरोना संक्रमण महामारी को देखते हुए नगर एवं क्षेत्रवासियों ने कोरोना से बचाव को देखते हुए मास्क आदि का जमकर प्रयोग करना शुरू कर दिया है। पहले कोरोना काल लाकडाउन में जगह जगह लोगों की भीड़ जमा नजर आती थी। शासन एवं प्रशासन अपनी जिम्मेदारी पर खरे उतरते हुए अपनी जिम्मेदारियों को निभाया गया था लेकिन लापरवाह लोगों के चालान एवं जुर्माना काटा गया था साथ ही लापरवाह व्यक्ति से साथ बुरी तरह मारपीट का रवैय्या भी अपना या गया था लेकिन अबकी बार कोरोना काल लाकडाउन में जनता ने अपनी समझदारी को निभाते हुए सही पालन किया जा रहा हैं पुलिस विभाग एवं अन्य विभागों को अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए खाना पूरी करना पड़ रही हैं कही पर भी किसी भी जगह लाकडाउन का अनुपालन नहीं किया जा रहा हैं दुकानें आदि सब कुछ बंद कर लोग अपने अपने घरों के अन्दर आराम करमाते नजर आ रहे हैं।

बेकाबू कोरोना को कंट्रोल करने की नाकामी के आरोपों के बीच सरकार श्मशान के हालात छिपाने की कोशिश कर रही है

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

लखनऊ। पिछले कुछ दिनों उत्तप्रदेश के श्मशान घाटों में अचानक से काफी भीड़ बढ़ने लगी है। इतना ही नहीं मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए 10 से 15 घंटे का इंतजार करना पड़ रहा है। विद्युत शवदाह गृह होने

के बावजूद भी लखनऊ में कई दर्जन अंतिम संस्कार लकड़ी के सहारे किए जा रहे हैं। श्मशान घाट पर अचानक से बढ़ी संख्या को लेकर कई संस्थाएं और लोग यह आरोप लगा रहे हैं कि उत्तरप्रदेश सरकार कोरोना से हो रही मौतों का आंकड़ा छिपा रही है। इस आरोप के अंतर्गत बताया जा रहा हैं कि लगभग 80 और 90 चिताए जली थी। श्मशान घाट पर चिता के लिए जगह तक नही, श्मशान घाट में अंतिम संस्कार करने के लिए जगह भी नहीं मिल रही।

समस्तीपुर हलचल

ताजपुर लूट कांड का कुख्यात अपराधी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। ताजपुर लूटकांड सहित कई कांडों में संलिप्त कुख्यात अपराधी राहुल कुमार को मुफस्सिल थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शहर के इनकम टैक्स ऑफिस ताजपुर रोड से गिरफ्तार कर लिया। मुफस्सिल थाना परिसर में प्रेस वार्ता के दौरान सदर डीएसपी प्रीतीश कुमार ने बताया कि ताजपुर में 13 अप्रैल को लूट कांड की घटना को अंजाम दिया। वही मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धुरलख से फाइनेंस कंपनी से तीन लाख की लूट की थी। पुलिस लगातार इस अपराधी की तलाश कर रही थी। पुलिस द्वारा एक टीम गठन कर तकनीकी अनुसंधान के माध्यम से अपराधी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी समस्तीपुर जिला के अलावा अन्य जिले वैशाली का रहने वाला राहुल कुमार एक कुख्यात अपराधी है कई कांडों में सम्मिलित है। इतना ही नहीं यह कई कांडों का वांटेड भी है। पुलिस ने लोडेड देसी कट्टा के साथ अपराधी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। प्रेस वार्ता में डीएसपी ने बताया कि जिले का एक अपराधी सहयोगी राजू कुमार उर्फ बिट्टू चौधरी को गत 23 अप्रैल को मुसरीघरारी थाना से अवैध आग्नेयास्त्र के साथ जेल भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि गठित टीम में मुफस्सिल थाना अध्यक्ष विक्रम आचार्य, मो शाहबाज, परशुराम सिंह, नवनीत कुमार, गणेश कुमार और निरंजन कुमार शामिल थे।

कल्याणपुर गांव की सड़कों पर लगाई गई स्ट्रीट लाइट गुणवत्ता हीन

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिला के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र में 31 पंचायत के गांव की सड़कों पर लगाई गई स्ट्रीट लाइट गुणवत्ता हीन दिख रही है। इसको लेकर प्रखंड माले सचिव दिनेश सिंह ने उच्च अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मांग जताई है कि इसकी उच्च स्तरीय जांच करा कर की गई सरकारी खजाने की लूट मैं दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने बताया कि मुखिया द्वारा गुणवत्ता हीन लाइट लगाकर इस योजना के तहत लूट खसूट की गई है गांव घरों के विद्युत पोल पर लगाई गई लाइट एक भी सही ढंग से नहीं जल रही है।

मधुबनी हलचल

डाक्टरों के बाद इंसानियत का दूसरा नाम नवीन सिंहा है: नजरे आलम

संबाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। कोरोना महामारी में अपनी और अपने परिवार की परवाह किए बगैर इंसानियत के लिए अगर हर वक्त कोई व्यक्ति खड़ा रहता है तो उसका नाम नवीन सिंहा है। समाजसेवी के नाम से जाने जाने वाले नवीन सिंहा जी कबीर सेवा संस्थान के माध्यम से ना सिर्फ लावारिस लाश बल्कि कोरोना से मरने वाले व्यक्ति जिसे अपना रिश्तेदार और परिवार भी अंतिम संस्कार के लिए स्वीकार नहीं करते उन्हें अगर कोई सम्मान के साथ आखिरी विदाई देने का काम करता है और यह कार्य लगातार जारी है उस व्यक्ति का नाम भी नवीन सिंहा ही है। नवीन जी के साथ और भी कई लोग हैं जो हमेशा उनका सहयोग करते हैं उनमें रेयाज खां, मो० उमर, रिंकू जी, जावेद जी आदि के नाम शामिल हैं। हम इनके बेलौस खिदमत, हिम्मत, हौसले और बिना किसी आर्थिक सहयोग के अपने पैसे से इस इंसानियत के कार्य के लिए सलाम करते हैं, बधाई देते हैं और उनके स्वस्थ्य जीवन के साथ साथ उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। साथ ही हम सभों को भी चाहिए के ऐसे हालात में एक दूसरे की मदद करें। अगर हम ये नहीं कर सकते तो कम से कम जो लोग ये सराहनीय कार्य अपनी जान जोखिम में डाल कर कर रहे हैं उनकी ही सहायता करें। याद रखिए अगर इंसानियत मर गई तो हमारा आपका जिंदा रहना बेमानी है। कोरोना को मिलकर हराना है। इस महामारी से

घबराने और डरने की जरूरत नहीं, हां सावधानी जरूर बरतें, हॉस्पिटल, डाक्टर, जिला प्रशासन और सरकार का सहयोग जरूर करें ताकि इस बिमारी को हराया जा सके।

2010 में गठित किया गया कबीर सेवा संस्थान का

शहर के किलाघाट स्थित अंजुमन खुद्दाम-ए-मिल्लत के सदस्य गुलाम रब्बानी साहब और जिला शांति समिति के सदस्य नवीन सिंहा ने वैसे तो लावारिस लाशों की अंत्येष्टि के लिए 2010 में कबीर सेवा संस्थान का गठन किया। इसमें समाजसेवी युवाओं को जोड़ा। हालांकि शुरूआत में संस्थान के तीन चार लोगों ने ही लावारिस लाशों का दाह संस्कार किया। इसमें हिन्दू-मुस्लिम दोनों थे। एक दूसरे के सहयोग से हिंदू शवों का हिन्दू रीति-रिवाज से और मुस्लिम शवों को मुस्लिम रीति-रिवाज से अंत्येष्टि दी जाने लगी। इस दौरान होने लाले खर्च को नवीन सिंहा और उनकी पत्नी पार्षद मधुबाला सिंहा वहन करने लगे। बाद में इस संस्थान से भोला गुप्ता, मंटू यादव, सुरेंद्र महतो, मो० उमर, रौशन कुमार, अशोक श्रीवास्तव, सचिन राम, शरफेआलम तमन्ना, मुकेश राय, सुरेश महतो, उज्जवल जायसवाल, देवेन्द्र महतो, पप्पू राम, राजा राम आदि भी शामिल हो गए और सहयोग करने लगे।

नजरे आलम (अध्यक्ष)
ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जानलेवा कैंसर को जड़ से खत्म करता है 'मीठा करेला' !

आज की मॉडर्न लाइफस्टाइल में वैज्ञानिक हर रोज नई-नई खोज कर रहे हैं लेकिन अभी तक कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज नहीं मिल सका। यहीं कारण है कि आज पूरी दुनिया में कैंसर से लाखों लोग मौत के शिकार हो रहे हैं हालांकि आयुर्वेद में सभी प्रकार की बीमारियों के उपचार की बात की गई है लेकिन जानकारी न होने की वजह से लोगों को इसका फायदा नहीं मिल पा रहा है।

आज हम आपको एक ऐसी सब्जी के बारे में बताने जा रहे है जिसे दुनिया की सबसे ताकतवर सब्जी माना जाता है। इसका सेवन करने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी जड़ से खत्म हो जाती है और शरीर को ताकत मिलती है। करेले जैसे दिखने वाली यह सब्जी कंटोला बाजार में आसानी से मिल जाता है। इसे मीठा करेला के नाम से भी जाना जाता है। इस सब्जी को आप 100 रुपए प्रति किलो से लेकर 150 रुपए प्रति किलो में खरीद सकते है। यह खाने में भी बहुत स्वादिष्ट होता है। हर उम्र के लोग इसका सेवन कर सकते है।

1. कंटोला में फाइटोकेमिकल्स, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट, मोमोरडीसिन और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।
2. इस सब्जी में मीट के तुलना में 50 गुना अधिक प्रोटीन और ताकत होती है।
3. इसमें फाइटोकेमिकल्स, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट, मोमोरडीसिन और फाइबर कैंसर और दिल संबंधी बीमारियों की रोकथाम में बेहद मददगार है।
4. ये सब्जी आपका वजन कम करने में भी मददगार होती है।

रोजाना शंख बजाकर दूर भगाएं तनाव से लेकर चेहरे की झुर्रियां

पूजा-अर्चना में शंख बजाने का चलन बहुत पुराना है। मगर क्या आप जानते हैं कि रोजाना शंख बजाना आपकी सेहत के लिए कितना अच्छा होता है। इतना ही नहीं, रोज शंख बजाने और इसमें रखा पानी पीने से आपकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के साथ कई ब्यूटी प्रॉब्लम्स भी दूर होती हैं। तो आइए जानें, रोजाना शंख बजाने या इसका पानी पीने से आपको क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

शंख बजाने के फायदे

1. झुर्रियां दूर करें

अगर आप समय से पहले आने वाली झुर्रियों की समस्या को लेकर परेशान है तो रोजाना शंख बजाने से आपको इससे छुटकारा मिल जाएगा। दरअसल, शंख बजाने से आपके फेस की मसल्स स्ट्रेच होती हैं, जिससे फाइन लाइन्स दूर हो जाती है।

2. स्किन प्रॉब्लम

स्किन प्रॉब्लम जैसे पिपंल्स, छाइयां, डार्क पैचेस या त्वचा रोग को दूर करने के लिए भी शंख फायदेमंद होता है। इसके लिए आप रातभर शंख में पानी भरकर रखें और सुबह इससे त्वचा की मसाज करें। इससे आपकी सभी स्किन प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

3. एलर्जी या रैशेज

एलर्जी, रैशेज या सफेद दाग जैसी स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा पाने से लिए शंख के पानी से त्वचा की मसाज करें। इसके अलावा रातभर भिगा हुआ पानी सुबह पीने से भी आपकी स्किन प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

4. तनाव

रोज शंख बजाने से आपका तनाव भी दूर हो जाता है क्योंकि इससे आपके दिमाग में खून का संचार ठीक से होता है और इससे स्ट्रेस लेवल कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा इससे आपका दिमाग दिनभर शांत भी रहता है।

5. पेट में गैस की समस्या

शंख बजाने से आपकी रेक्टल मसल्स सिकुड़ती और फैलती हैं, जिसके कारण शरीर के अंदरूनी अंगो की एक्सरसाइज हो जाती है। इससे आपकी गैस की समस्या दूर हो जाती है।

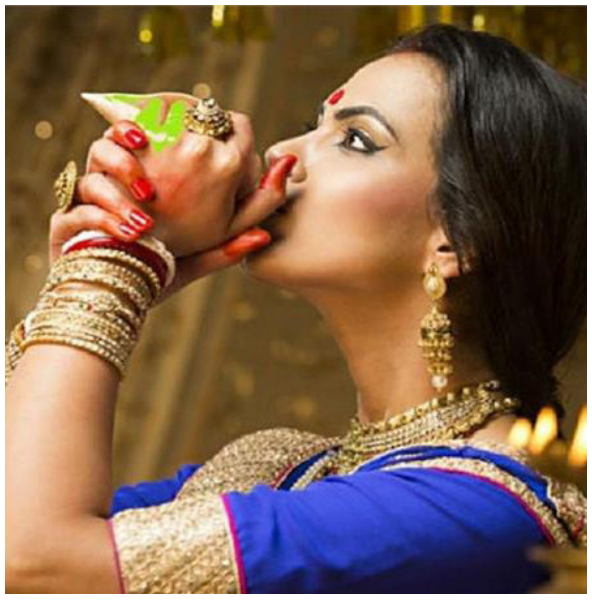

6. हड्डियों और आंखों के लिए फादेमंद

शंख में कैल्शियम, गंधक और फास्फोरस जैसे गुण पाए जाते हैं इसलिए इसमें रखा पानी पीने से आंखों की रोशनी तेज होती है। इसके अलावा रोज शंख में रखा पानी पाने और उसे बजाने से हड्डियां भी मजबूत होती है।

7. फेफड़ों के लिए फायदेमंद

शंख बजाने से आपके फेफड़ों की बढ़िया एक्सरसाइज हो जाती है, जिससे वह हमेशा स्वस्थ रहते हैं। इसके अलावा जिन लोगों को सांस संबंधी समस्याएं है उन्हें भी शंख बजाने से इन प्रॉब्लम से छुटकारा मिल सकता है।

खांसी-जुकाम से हो गए हैं बेहाल तो दवा नहीं अपनाएं ये देसी नुस्खे

मौसम में बदलाव आते ही खांसी-जुकाम होने लगता है। बहता हुआ नाक, सिर दर्द ,बदन दर्द से इंसान की हालत खराब हो जाती है। इससे तुरंत राहत पाने के लिए लोग कई सारी दवाइयों का सहारा लेते हैं। इन दवाओं से खांसी-जुकाम तो ठीक हो जाती है। मगर सेहत पर गलत असर पड़ता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे आसान से नुस्खे बताएंगे जो बिना साइड-इफैक्ट के खांसी-जुकाम ठीक कर देंगे।

1. हल्दी

खांसी-जुकाम से राहत पाने के लिए 1 गिलास गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर पीएं। इसके साथ ही सूखी हल्दी को जलाकर उसका धुंआ सूंघने से जुकाम ठीक होता है।

2. गेहूं की भूसी

खांसी-जुकाम ठीक करने के लिए भूसी का इस्तेमाल करें। 2 गिलास पानी में 10 ग्राम गेंहू की भूसी, 5 लौंग और 2 चुटकी काला नमक डालकर तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए। इस तैयार काढ़े को पीने से खांसी जुकाम में तुरंत सुधार होगा।

3. तुलसी

तुलसी खांसी-जुकाम के लिए किसी औषधि से कम नही हैं। तुलसी के 2 से चार पत्ते चबाने से गले की खराश और खांसी से राहत मिलती है। आप चाहें तो इसे चाय में उबालकर भी पी सकते हैं।

4. अदरक

अदरक के रस शहद में मिलाकर खाने से भी खांसी दूर होती है। वलगम होने पर रात को सोने से पहले दूध या चाय में अदरक उबालकर पीएं। आपकी सेहत में जल्द सुधार होगा।

5. इलाइची

इसको चाय में उबालकर पीने से जुकाम- खांसी नही होता। यदि फिर भी जुकाम हो जाए तो इलाइची के दानों को रुमाल में लपेटकर सूंघने से जुकाम से निजात मिलती है।

6. हर्बल टी

सिर दर्द, जुकाम ,बुखार, खांसी होने पर हर्बल चाय पीएं। यह शरीर को गर्म रखती है और बीमार होने से बचाती है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फातिमा सना शेख का छलका दर्द

वैसे तो फातिमा सना शेख अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी कॉन्शस रहती हैं, उसके बारे में बात करना पसंद नहीं करतीं, पर हाल ही उन्होंने अपने पिछले रिलेशनशिप को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए और कहा कि वह बुरे रिलेशनशिप में रही हैं। हाल ही रिलीज हुई 'अजीब दास्तान्स' में नजर आईं फातिमा सना शेख ने फिल्म 'लूडो' में निभाए अपने किरदार 'पिंकी' के बारे में बात करते हुए अपने बुरे रिलेशनशिप को लेकर भी बात की। फातिमा सना शेख ने कहा, 'मैं तो वो बिल्कुल भी नहीं हूं- पतिव्रता लड़की। मेरे साथ कोई ऐसी चीज करे तो दो थप्पड़ मार दूं मैं।' फातिमा ने आगे कहा, 'मैं भी टॉक्सिक रिलेशनशिप में रही हूं। यह कहना बहुत मुश्किल है कि हां हम ये कर लेंगे, वो कर लेंगे। पर जब आप ऐसे रिश्ते में होते हैं तो समझना बहुत मुश्किल हो जाता है। इसलिए मैं समझती हूं कि बहुत सारी महिलाएं इससे गुजरती हैं। खासकर वो जो नौकरीपेशा नहीं हैं और आर्थिक रूप से अपने पति पर निर्भर हैं। एक खराब शादी से निकल पाना बहुत मुश्किल होता है।' फिल्म 'लूडो' में फातिमा पिंकी नाम के किरदार में थीं। उसके पति का एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर होता है और बाद में उस पर मर्डर का इल्जाम लगता है। पति को बचाने के लिए फातिमा का किरदार यानी पिंकी जमीन-आसमान एक कर देती है। पर फातिमा का कहना है कि वह रियल लाइफ में बिल्कुल भी पिंकी जैसी नहीं हैं।

मुझसे कई गलतियां हुईं: सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी कहते हैं, एक सुनील शेट्टी था, जो कुछ साल के बाद असफल हो गया, क्योंकि वह सब्जेक्ट में विश्वास करता था। लेकिन मार्केटिंग में पीछा रहा। सुनील शेट्टी मानते हैं कि वह पर्दे पर हमेशा एक नॉन रोमांटिक इमेज के साथ आए। आज टाइगर श्रॉफ और आयुष्मान खुराना जैसे न्यूकमर्स के बारे में सुनील कहते हैं, यह नई जेनरेशन एक खास तरह के सिनेमा के साथ आगे आई है, लेकिन समय के साथ उन्हें भी एक्सपेरिमेंट करना पड़ेगा।सुनील शेट्टी ने आगे अपने करियर की गलती के बारे में बात करते हुए कहा, मेरी समस्या यह नहीं कि मैं टाइपकास्ट हो गया। मेरी समस्या यह रही है कि मैंने हमेशा सेफ प्ले करना चाहा। यदि आप सिर्फ कुछ ही लोगों के साथ काम करेंगे या फिर किसी एक डायरेक्टर के साथ, एक बैनर के साथ काम करेंगे तो इसका मतलब यह होता है कि आप में निर्णय लेने की क्षमता नहीं है। सुनील शेट्टी आगे कहते हैं, एक सुनील शेट्टी था, जो कुछ साल के बाद असफल हो गया, क्योंकि वह सब्जेक्ट में विश्वास करता था। लेकिन मार्केटिंग में पीछा रहा। मैं यह कहने की कोशिश कर रहा हूं कि आज कोई भी सुनील शेट्टी के साथ 50 करोड़ रुपये का भी रिस्क नहीं लेना चाहेगा। जबकि अक्षय कुमार के साथ वही लोग 500 करोड़ रुपये का भी रिस्क ले लेंगे।

स्वरा भास्कर ने की पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर की तारीफ

कोरोना की दूसरी लहर में भारत की खराब हालत देखकर उनके सपोर्ट में पड़ोसी राज्य पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर भी सामने आए है। शोएब अख्तर की इस दरियादिली की स्वरा भास्कर ने तारीफ करते हुए शुक्रिया कहा है। आपको बता दें कि शोएब अख्तर ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट करते हुए लिखा, मैं भारत के लोगों के लिए प्रार्थना करता हूं। मुझे उम्मीद है कि स्थिती जल्द ही नियंत्रण में आ जाएगी। साथ ही मुझे यह भी उम्मीद है कि उनकी सरकार इस मुश्किल की घड़ी को ठीक से निपटेगी। शोएब अख्तर ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वह भारत में बढ़ रहे हैं कोरोना केस को लेकर चिंता जताई थी। शोएब, वीडियो में कहते नजर आ रहे हैं कि भारत की इस संकट की घड़ी में पूरी दुनिया को भारत की सहायता करनी चाहिए। क्योंकि हेल्थ सिस्टम पूरी तरह से क्रैश हो रहा है। इस महामारी में हम सब साथ और हमें एक दूसरे का साथ देना चाहिए। शोएब अख्तर की तारीफ करते हुए स्वरा भास्कर ने ट्वीट किया है। स्वरा ने लिखा, 'शुक्रिया शोएब अख्तर जी, आपके मानवता से भरे शब्दों के लिए बहुत- बहुत शुक्रिया। इसकी बहुत तारीफ करती हूं।' स्वरा भास्कर ने एक दूसरे ट्वीट में लिखा, 'इस मुश्किल दौर में पाकिस्तानी सिविल सोसाइटी सोशल मीडिया के जरिए भारत को सपोर्ट कर रही है और सोशल मीडिया के जरिए इतना प्यारा मैसेज देने के लिए शुक्रिया'।